जनगणना में ओबीसी का अलग कॉलम जोड़ने आठवें दिन भी जारी रहा धरना

मंडला, देशबन्धु। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा एवं अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, जिला मंडला के संयुक्त तत्वावधान में अनिश्चितकालीन धरने के आठवें दिन जनगणना-2027 सहित स्थानीय समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

मोर्चा ने कहा कि सरकार ने जनगणना-2027 में जातिवार गणना का निर्णय तो लिया, लेकिन पहले चरण में ओबीसी का व्याख्यान नहीं दिया और दूसरे चरण की प्रश्नावली में भी ओपन कॉलम की व्यवस्था रखी है। इससे आंकड़े भ्रामक होंगे। संगठन ने याद दिलाया कि 2011 में भी इसी ओपन पद्धति से 46.7 लाख जातियां सामने आई थीं, जिसके बाद सरकार ने आंकड़े जारी करने से ही मना कर दिया था। यह ओबीसी के साथ धोखा था।

संगठन की मांग है ,कि एससी-एसटी की तरह ओबीसी के लिए भी अलग कॉलम, राज्यवार मास्टर जाति निर्देशिका और हर जाति के लिए विशिष्ट कोड वाली मानकीकृत, पारदर्शी एवं ऑडिट योग्य प्रणाली लागू की जाए। इसी के साथ अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ने स्थानीय 5 मांगें भी उठाईं। इसमें धान का समर्थन मूल्य 3500 रुपये प्रति क्विंटल करने और कीटनाशक दवाओं के दाम कम करने की मांग प्रमुख है।

जिले की समस्याओं में मंडला के अटैच शिक्षकों को मूल स्थान पर भेजने, अतिथि शिक्षकों को नियमित करने, मरारटोला,करियागांव,डगनी टोला,जैताटोला,दफाई टोला को जोड़ने वाले माधोपुर मार्ग निर्माण, जनपद बिछिया में जर्जर प्राथमिक स्कूल व आंगनबाड़ी भवन का तत्काल निर्माण और करियागांव-मरारटोला के बीच मटियारी डेम पर पुल निर्माण तथा ग्राम कछारी को ककैय्या पंचायत से अलग कर स्वतंत्र पंचायत घोषित करने की मांग शामिल है। मांगों को आदिवासी महापंचायत गढ़ा मण्डला का समर्थन प्राप्त हुआ।

ये रहे मौजूद

मरार टोला माधोपुर से हूम लाल भांवरे, रामकुमार भांवरे, रामप्रसाद भांवरे,मायाराम भांवरे, राजेश भांवरे, राजेंद्र भांवरे,लक्ष्मी भांवरे, जगन्नाथ यादव, करियागांव संत कुमार पटैल सहित बड़ी संख्या में ओबीसी समुदाय के लोग सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर चोरी की सूचना देकर राजस्व वृद्धि में बनें सहभागी

मंडला, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के राज्य कर विभाग द्वारा कर चोरी एवं वित्तीय अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है। विभाग ने आम जनता, व्यापारिक संगठनों और कर सलाहकारों को कर संबंधी गड़बड़ियों की जानकारी सीधे विभाग तक पहुँचाने के लिए एक विशेष डिजिटल मॉड्यूल शुरू किया है।

कार्यालय सहायक आयुक्त राज्य कर वृत्त मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विभाग की वेबसाइट पर टैब सक्रिय किया गया है। इसके माध्यम से नागरिक, व्यापारी व कर सलाहकार एक एकीकृत मंच पर कर चोरी से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इस मॉड्यूल का उद्देश्य प्राप्त सूचनाओं का समयबद्ध परीक्षण, त्वरित कार्रवाई, सतत अनुश्रवण और सूचनादाताओं को फीडबैक उपलब्ध कराना है। इससे कर प्रशासन अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख बनेगा।

इन अनियमितताओं की दे सकते हैं सूचना-500 से अधिक की बिक्री पर बिना जीएसटी का बिल जारी करना, कम्पोजिशन करदाता द्वारा बिक्री बिल पर अवैध रूप से जीएसटी वसूलना, बिना पंजीयन निर्धारित टर्नओवर सीमा से अधिक का कारोबार करना, बिना वैध दस्तावेज या ई-वे बिल के माल का परिवहन करना, भुगतान प्राप्त करने के लिए एक से अधिक नाम या क्यूआर कोड का उपयोग करना, ग्राहकों को पक्का बिल न देना।

सहायक आयुक्त राज्य कर, मंडला वृत्त श्रीमती सुमन बघेल एवं राज्य कर अधिकारी आकाश उइके ने बताया कि नागरिक पोर्टल पर लॉगिन कर साक्ष्यों व संबंधित दस्तावेजों के साथ अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। नागरिकों की जागरूकता और सहभागिता से कर अपवंचन पर प्रभावी अंकुश लगेगा, जिससे राज्य के राजस्व में वृद्धि होगी और प्रदेश के विकास में गति मिलेगी।

मंडला वृद्धाश्रम की दीवारें जर्जर सीलन से बुजुर्गों की सेहत पर असर

स्नानगृह-शौचालय क्षतिग्रस्त गर्म पानी तक की व्यवस्था नहीं, जन उपयोगी, लोक अदालत में लगाई गुहार

मंडला, देशबन्धु। जिला मुख्यालय के महिष्मती घाट स्थित वृद्धाश्रम की बदहाल स्थिति को लेकर जन उपयोगी लोक न्यायालय, जिला मंडला में आवेदन दिया गया है।

आवेदक समाजसेवी चन्द्रगुप्त नामदेव, शारदा कालोनी मण्डला और बड़ी खैरी मण्डला निवासी पी.डी.खैरवार ने जन उपयोगी लोक अदालत को दिए आवेदन में बताया, कि वृद्धाश्रम भवन की दीवारें और फर्श पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। वर्षा के दिनों में पानी की सीलन दीवारों के अंदर तक पहुँच रही है, जिससे वहाँ रह रहे वृद्धजनों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।

आवेदन में उल्लेख है, कि आश्रम में मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। स्नानगृह और शौचालयों में समुचित व्यवस्था नहीं है, उनके दरवाजे टूटे-फूटे हैं। ठंड के दिनों में स्नान के लिए गर्म पानी हेतु गीजर की भी व्यवस्था नहीं है, जिससे बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है ,कि इस वृद्धाश्रम का संचालन सामाजिक न्याय विभाग द्वारा किया जाता है, इसलिए इन मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना विभाग के संचालक का नैतिक दायित्व है। आवेदकों ने जनोपयोगी लोक अदालत के माननीय अध्यक्ष महोदय से निवेदन किया है, कि वृद्धजनों के मानवीय हित को देखते हुए संबंधित विभाग को मरम्मत एवं मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जाए।

सार-समाचार

कान्हा टाइगर रिजर्व के वनकर्मी नवीन चंद्र मिश्रा को मिलेगा प्रतिष्ठित 'मछली' पुरस्कार

मंडला, देशबन्धु। कान्हा टाइगर रिजर्व के वनकर्मी नवीन चंद्र मिश्रा को वन्यजीव एवं प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 2024-25 के लिए चयनित किया गया है। डब्ल्युडब्ल्युएफ इंडिया बीटा प्रभा खैतान फाउंडेशन की चयन समिति द्वारा उनके कार्यों का मूल्यांकन करते हुए उन्हें पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है। यह पुरस्कार 10 सितंबर को भोपाल के जेहान नुमा पैलेस, श्यामला हिल्स में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के रूप में 50,000 की राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। नवीन चंद्र मिश्रा का चयन कान्हा टाइगर रिजर्व के मैदानी वन अमले के लिए गौरव का विषय है। उनके चयन से वन्यजीव संरक्षण एवं वन सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य वनकर्मियों को भी अपने दायित्वों के प्रति और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

आँगनबाड़ी केंद्र बर्राटोला में पोषण जागरुकता सत्र आयोजित

मंडला, देशबन्धु। पोषण माह के अंतर्गत ग्राम पंचायत हृदयनगर स्थित आँगनबाड़ी केंद्र बर्राटोला में मिशन पोषण गतिविधियों के तहत जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने लो फैट और लो सुगर व्यंजन प्रदर्शन के माध्यम से कम तेल एवं कम चीनी वाले पौष्टिक खाद्य पदार्थों के सेवन की जानकारी दी। उन्होंने दाल, साबुत अनाज, बाजरा, ज्वार, हरी सब्जियां, ताजे फल, टोफू एवं कम वसा वाले पनीर जैसे खाद्य पदार्थों को दैनिक आहार में शामिल करने की सलाह दी। सत्र में एलवाईसीएफ के संबंध में माता-पिता, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को सही खान-पान, स्वच्छता तथा बच्चों को उम्र के अनुसार आहार देने की जानकारी दी गई। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक भोजन तैयार करने के तरीके भी बताए गए। सुश्री मर्सकोले ने हब एवं वन स्टॉप सेंटर से मिलने वाली छह प्रकार की सहायता तथा 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन की जानकारी भी दी।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल की कार्यप्रणाली की समीक्षा

मंडला, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की लीगल एड डिफेंस काउंसिल मॉडिफाइड स्कीम-2022 के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला कमल जोशी ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा विधिक सहायता प्रकरणों में की जा रही पैरवी एवं प्रयासों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तपन धारगा, जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सत्यनारायण मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजय तिवारी एवं एम.वाई. खोखर उपस्थित रहे। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कमल जोशी के निर्देशन तथा सचिव श्री तपन धारगा के मार्गदर्शन में शासकीय एकीकृत कन्या हाईस्कूल पड़ाव, मंडला में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोब्रागड़े ने छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विकास एवं शांति के लिए शिक्षा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर छात्राओं को यातायात नियमों एवं मोटर व्हीकल एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें विधिक अधिकारों एवं कानून के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।

कान्हा टाइगर रिजर्व में 15 से 20 सितंबर तक हाथियों के पुनर्यौवन (रिजुविनेशन) कैंप का आयोजन

मंडला, देशबन्धु। कान्हा टाइगर रिजर्व में विभागीय हाथियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने एवं उनके द्वारा कान्हा प्रबंधन को वन एवं वन्यजीव संरक्षण एवं अनुश्रवण मे वर्ष भर नियमित रूप से प्रदाय किये जाने वाले सहयोग के प्रति आभार प्रदर्शन के उद्देश्य से 15 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक परिक्षेत्र सुपखार में हाथियों के पुनर्यौवन (रिजुविनेशन) कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 16 विभागीय हाथी हैं, जिनमें 9 नर, 6 मादा तथा एक नवजात हाथी बच्चा शामिल है। इन हाथियों का उपयोग वन्यजीव संरक्षण, गश्ती, वन्यजीव अनुश्रवण, वन्यजीव ट्रांसलोकेशन तथा विशेष रूप से मानसून के दौरान गश्ती जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किया जाता है। इस पुनर्यौवन कैंप का उद्देश्य हाथियों को नियमित कार्य से अलग वातावरण मी पर्याप्त आराम, बेहतर आहार, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आपसी सामाजिक व्यवहार के लिए अनुकूल अवसर उपलब्ध कराना है। कैंप के दौरान सभी हाथियों को एक साथ रहने, खाने तथा विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

कैंप के दौरान हाथियों को विशेष आहार दिया जाएगा तथा वन्यजीव चिकित्सक द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। हाथियों की मालिश एवं सेवा के साथ-साथ उनके रक्त, फीकल एवं मूत्र के नमूने लेकर आवश्यक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। सभी हाथियों का शारीरिक माप भी निर्धारित प्रपत्र में दर्ज किया जाएगा।

दैनिक गतिविधियों में हाथियों को प्रात: जंगल से लाकर नहलाना, शरीर एवं पैरों की मालिश करना, दोपहर में महावत एवं चाराकटरों के साथ परिचय एवं खेल गतिविधियां तथा शाम को भोजन कराकर पुन: जंगल में छोड़ा जाना शामिल है।

कैंप में हाथियों के साथ कार्य करने वाले महावत एवं चाराकटरों के प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। वरिष्ठ महावतों द्वारा अन्य महावतों एवं चाराकटरों को हाथियों के रखरखाव तथा उन्हें दिए जाने वाले निर्देशों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे हाथियों के बेहतर प्रबंधन तथा आपात परिस्थितियों में प्रभावी नियंत्रण में सहायता मिलेगी।

माहिष्मति घाट वृद्धाश्रम में मनाई गई जन्माष्टमी

मंडला, देशबन्धु। मां नर्मदा के तट पर स्थित माहिष्मती घाट वृद्धाश्रम मंडला में मनाया जन्माष्टमी, कुर्मी समाज विकास संगठन के तत्वावधान में आज मां नर्मदा के किनारे स्थित माहिष्मती घाट में जिला प्रशासन द्वारा संचालित माहिष्मती वृद्धाश्रम में एक भावुक पल देखने को मिला जब समूचा राष्ट्र कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा था।

इसी श्रृंखला में कुर्मी समाज विकास संगठन के पदाधिकारियों ने एक अनूठी पहल करते हुए जन्माष्टमी के महापर्व एवं मंडला विधायक श्रीमती संपत्तिया उइके कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का जन्मदिन उनके गृह ग्राम टिकरवारा में उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की, वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों से केक कटवाकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। संगठन ने इस अवसर पर कहा कि हमें गर्व है कि वृद्धाश्रम में आत्मीय जनों के साथ शुभकामनाएं प्रेषित करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान कुर्मी समाज विकास संगठन के पदाधिकारियों, युवाओं ने संकल्प लिया कि उनका हमेशा यह प्रयास होगा कि समाज में ऐसी सोच पैदा की जावे जिससे कि इस प्रकार के वृद्धाश्रमों की आवश्यकता ही हमें महसूस ना हो। कार्यक्रम से अभिभूत होकर वृद्धाश्रम में रह रहे तमाम जनों ने कुर्मी समाज विकास संगठन की इस प्रकार की अंगूठी पहल के लिए उन्हें आशीर्वाद प्रदान कर इसी प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए आगे आने को कहा।

हज 2027 के चयनित यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण आज

मंडला, देशबन्धु। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मंबई के निर्देशानसार हज यात्रा 2027 के लिए चयनित हज यात्रियों के लिए फिटनेस टेस्ट, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला हज कमेटी मंडला एवं हज वेलफेयर सोसाडटी मंडला द्वारा जारी सूचना के मुताबिक यह शिविर 10 सितंबर गुरुवार की सुबह 9:00 बजे जिला चिकित्सालय मंडला में आयोजित किया जा रहा है। जिला हज कमेटी मंडला ने सभी चयनित हज यात्रियों से कमेटी ने अपील की है कि वे अनिवार्य रूप से फिटनेस टेस्ट, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में उपस्थित हो। फिटनेस टेस्ट, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में शामिल होने के लिए कुछ निर्देश भी जारी किए गए है। जारी निर्देशों के मुताबिक सभी हज यात्रियों को सुबह 9:00 बजे जिला चिकित्सालय मंडला में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा गया है। हज यात्रियों से स्वास्थ्य परीक्षण के लिए खाली पेट आने और अपने साथ पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज / जानकारियां लानी होगी। अधिक जानकारी के लिए जिला हज कमेटी मंडला एवं हज वेलफेयर सोसाइटी मंडला सें संपर्क किया जा सकता है।

मंडला पुलिस की अवैध कच्ची शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, नैनपुर में 1,000 किलो महुआ लाहन नष्ट

मंडला, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में मंडला पुलिस अवैध कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में बुधवार को थाना नैनपुर पुलिस ने ग्राम जामगांव-भीमकुंड क्षेत्र में छापा मारकर अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने के लिए तैयार किए गए करीब 1,000 किलोग्राम महुआ लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने लाहन के अलावा शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उपकरणों को भी नष्ट किया। वहीं थाना निवास पुलिस ने ग्राम जिलहटा क्षेत्र में अलग कार्रवाई की। यहां पुलिस ने 90 किलोग्राम महुआ लाहन को नष्ट किया। इसके अलावा हाथभट्टी से बने करीब 7 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद होने पर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

इस पूरे अभियान में थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन, उप निरीक्षक पंकज विश्वकर्मा (थाना निवास) और पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी।

स्व-सहायता समूह में जुड़ने से बदली सवनी बाई की तकदीर

अब दूसरों को दे रही हैं स्वावलंबन का प्रशिक्षण

मंडला, देशबन्धु। जिले के विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत ग्राम गढ़ार की निवासी श्रीमती सवनी बाई का जीवन कभी सीमित साधनों और आर्थिक तंगी के बीच बीत रहा था। 8वीं तक शिक्षित सवनी बाई के परिवार में कुल 6 सदस्य हैं। उनके पति सुकल सिंह कुलस्ते पारंपरिक रूप से केवल खेती-किसानी करते थे, जिससे परिवार की कुल वार्षिक आय 50 हजार रुपए से भी कम हो पाती थी। इतने कम साधनों में 6 सदस्यों का भरण-पोषण करना और बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाना बेहद कठिन चुनौती थी।

मिशन से जुड़ाव और आत्मविश्वास की नई उड़ान-

सवनी बाई के जीवन में सकारात्मक बदलाव तब आया जब वे मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (जनपद पंचायत नारायणगंज) के संपर्क में आईं। वे 'ज्योति महिला आजीविका समूह' से जुड़ीं और आगे चलकर 'एकता ग्राम संगठन' की सक्रिय सदस्य बनीं। मिशन और सहयोगी संस्था 'प्रदान' के माध्यम से उन्हें विभिन्न आय अर्जन गतिविधियों तथा कौशल विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण ने उनके भीतर आत्मविश्वास जगाया, जिसके बाद उन्होंने पारंपरिक खेती के साथ-साथ आजीविका के नए मॉडलों को अपनाने का निर्णय लिया।

तीन प्रमुख गतिविधियों से मिली सफलता

वैज्ञानिक तकनीकों और बेहतर प्रबंधन को अपनाकर सवनी बाई ने तीन आजीविका मॉडल शुरू किए। जिसमे मशरूम उत्पादन में मात्र 3 हजार रुपये की शुरुआती लागत से मशरूम उत्पादन की शुरुआत की, जिसमें से महज डेढ़ हजार रूपए की लागत से उन्होंने मशरूम उत्पादन के लिए बैग्स तैयार किए, इसके बाद 15-15 दिनों के अंतर से मशरूम की हार्वेस्टिंग कर लोकल मार्केट में उनका विक्रय किया। इस गतिविधि से उन्हें 10 से 15 हजार तक की अतिरिक्त आमदनी होने लगी। साथ ही कुक्कुट (मुर्गी) पालन में 10-15 हजार रुपए के साथ व्यवस्थित रूप से मुर्गी पालन शुरू किया, जिससे वर्तमान में वे प्रतिवर्ष लगभग 30 हजार की आय अर्जित कर रही हैं। इसी प्रकार जैविक न्यूट्री-गार्डन सब्जी उत्पादन में अपने खेत में दैनिक उपयोग की मौसमी सब्जियों का जैविक उत्पादन शुरू किया। इससे परिवार को पौष्टिक व विष-मुक्त भोजन मिलने के साथ-साथ सब्जियों की बिक्री से वर्षभर निरंतर आय सुनिश्चित हुई।

सालाना आय बढ़ी, बच्चों को कराई स्नातक तक की पढ़ाई

जो परिवार कभी 50 हजार रुपए की वार्षिक आय में गुज़र-बसर करने को मजबूर था, आज सवनी बाई की मेहनत और सही मार्गदर्शन से उस परिवार की कुल वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1.50 लाख हो चुकी है। इस बढ़ी हुई आमदनी के दम पर सवनी बाई ने अपने सभी बच्चों की स्नातक तक की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी करवाई है और अपनी बेटी को भी उच्च व बेहतर शिक्षा प्रदान की है।

अब स्वयं बन चुकी हैं मास्टर ट्रैनर

आज सवनी बाई का ज्ञान और अनुभव इतना समृद्ध हो चुका है कि वे स्वयं क्षेत्र के अन्य किसानों और ग्रामीण महिलाओं को मशरूम उत्पादन तथा मुर्गी पालन का प्रशिक्षण दे रही हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और प्रदान संस्था के सहयोग से आत्मनिर्भर बनीं सवनी बाई ने यह साबित कर दिया है कि सही अवसर, प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प से ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवार का भविष्य संवार सकती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकती हैं।